अक्षय ऊर्जा लक्ष्य पूरा करने को बड़े निवेश की जरूरत

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। भारत 2030 तक अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ाने की योजना पर कार्य कर रहा है। इसके लिए उसे 293 अरब डॉलर की जरूरत पड़ेगी। वैश्विक थिंक टैंक एम्बर की रिपोर्ट में यह बात सामने आयी है।

रिपोर्ट के मुताबिक कॉप28 की अध्यक्षता कर रहे संयुक्त अरब अमीरात ने वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के लिए एक वैश्विक समझौते का आह्वान किया है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अलग-अलग देशों पर इन वैश्विक लक्ष्यों का क्या प्रभाव होगा, मगर वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने का काम पहुंच के दायरे के काफी अंदर होना चाहिए, क्योंकि भारत की एनईपी14 के तहत अक्षय ऊर्जा क्षमता में और भी ज्यादा बढ़ोत्तरी करने की योजना बनाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की 14वीं राष्ट्रीय विद्युत योजना (एनईपी 14) ने देश को वर्ष 2030 तक अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता को तीन गुने से भी ज्यादा करने की राह पर ला खड़ा किया है। मगर आईईए द्वारा प्रस्तावित नेट-जीरो परिदृश्य के अनुरूप आगे बढ़ने के लिये अक्षय ऊर्जा क्षमता में बड़े निवेश की जरूरत होगी।

दुबई में कॉप 28 शिखर सम्मेलन आज से

दुबई। जलवायु परितवर्तन की मार पूरी दुनिया झेल रही है। प्रदूषण से से सिर्फ भारत हीं नहीं, बल्कि ज्यादातर देश परेशानियों का सामना कररहे हैं। तापमान बढ़ाने वाले ऐसे ही कार्यक्रम पर कार्रवाई को लेकर कॉप28 शिखर सम्मेलन 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक दुबई में दुनियाभर के प्रतिनिधि मंथन करेंगे।